



राजभाषा हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला

विषय - कंठस्थ अनुवाद टूल तथा हिन्दी मासिक/त्रैमासिक प्रतिवेदन

दिनांक :- 19.07.2024

भा०वा०अ०शि०प०-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज

(भा०वा०अ०शि०प०- वन अनुसंधान संस्थान देहरादून)

भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा दिनांक 19.07.2024 को राजभाषा हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला के अन्तर्गत "कंठस्थ अनुवाद टूल तथा हिन्दी मासिक/त्रैमासिक प्रतिवेदन" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा हिन्दी को बढ़ावा देने के क्रम इस कार्यशाला को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने आयोजित कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभिन्न अनुसंधान एवं कार्यालय अनुप्रयोगों में हिन्दी में दक्षतापूर्वक काम करने में सक्षम बनाना बताया। कार्यालय राजभाषा समिति के सदस्य एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने भी हिन्दी प्रयोग से सम्बन्धित टूल के सम्बन्ध में बताया। केन्द्र की हिन्दी अधिकारी तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने बताया कि कंठस्थ एक ऐसा अनुवाद टूल है, जिसको राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा एक स्मृति आधारित अनुवाद उपकरण की तरह विकसित किया गया है, जो हिन्दी में कार्य को सरल बना देता है। कार्यशाला में केन्द्र के अधिकारी/कर्मचारी गण-डॉ अनीता तोमर, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. कुमुद दूबे, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. एस.डी. शुक्ला, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, रतन गुप्ता, तकनीकी अधिकारी, धर्मेन्द्र कुमार, तकनीकी सहायक तथा अम्बूज कुमार, अवर श्रेणी लिपिक आदि के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोधछात्रों ने प्रतिभागिता किया। आयोजित कार्यशाला द्वारा उपस्थित सभी प्रतिभागियों में हिन्दी में कुशलतापूर्वक कार्य करने की प्रेरणा और उत्साह को बढ़ाया गया।

प्रवर श्रेणी लिपिक ने हिन्दी को बढ़ावा देने के क्रम में राजभाषा विभाग द्वारा जारी 'कंठस्थ' ऐप से अवगत कराया।

हरीश कुमार, प्र.श्रे.लि. द्वारा कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा हिन्दी में कार्य को सरल बनाने के लिए विकसित स्मृति आधारित अनुवाद उपकरण कंठस्थ से अवगत कराते हुए कंठस्थ, अनुवादिनी, भाषिणी तथा उड़ान के हिन्दी राजभाषा में महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इनके उपयोग की विधि पर विस्तृत चर्चा की।

